2120147

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परी

C

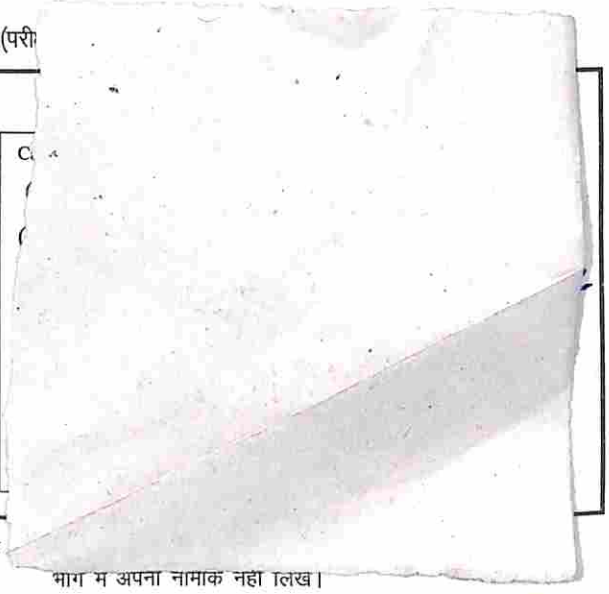

नोट

भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☑

विषय Sanskrit

परीक्षा का दिन Friday

दिनांक 22-04-22

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3.
3	12	21	4.
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3.	80	अस्सी
18	3.		

परीक्षक के हस्ताक्षर [illegible] संकेतांक 607418

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।168/2021

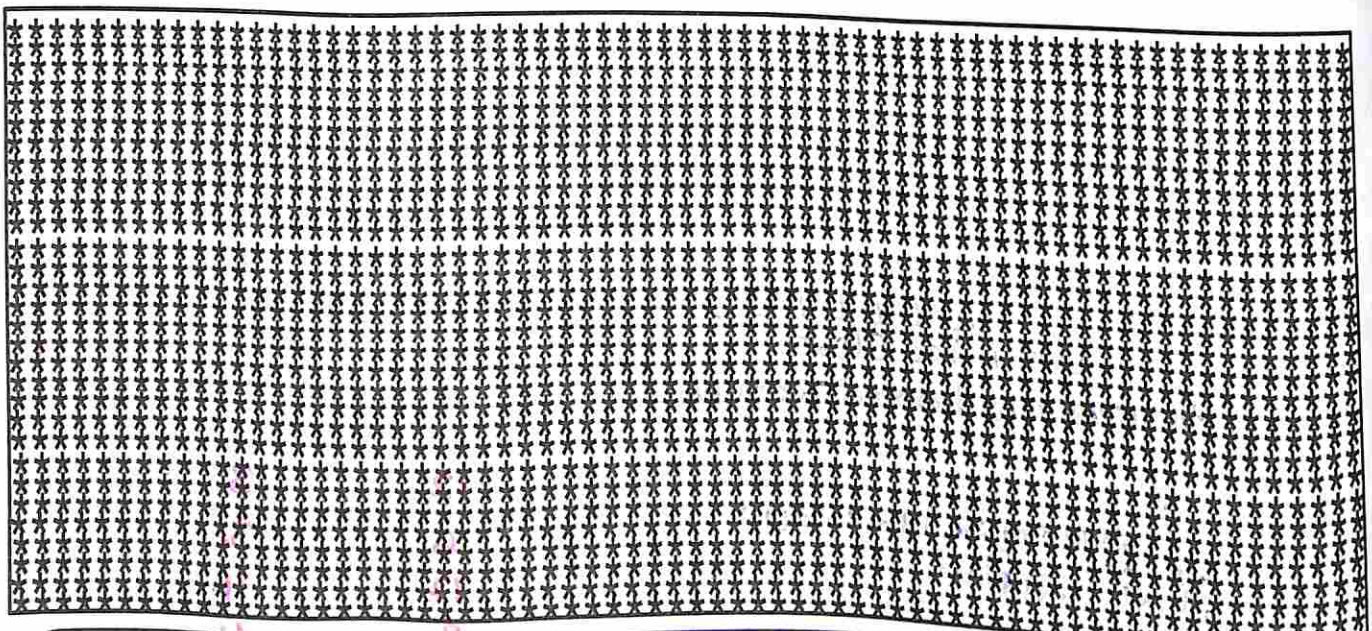

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

उत्तर ⇒ 1

(i) स
(ii) ब
(iii) अ
(iv) स
(v) ब
(vi) अ
(vii) द
(viii) स
(ix) द
(x) ब
(xi) ~~ब~~ अ
(xii) द

उत्तर ⇒ 2

(अ) (i) छात्रेण (ii) पुत्राय
(ब) (i) हस्ते (ii) गुरुम्
(स) (i) पठनीयः (ii) बलवती

उत्तर ⇒ 3 (अ)

(i) स्त्री महत्वं
(ii) मातृशक्तेः प्रतीकभूताः स्त्रियों भवन्ति।
(iii) स्त्रीणां कृते शिक्षायाः परमावश्यकता वर्तते।
(iv) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते तत्र देवताः रमन्ते।
(v) स्त्रीणां
(vi) सुशिक्षिता
(vii) (ग) - स्त्रियः इत्यस्य
(viii) समादरः

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ix) अच्छा वंश है।

(x) कृ ⇒ धातु . लकार ⇒ लट् लकार
पुरुष ⇒ प्रथम वचन ⇒ एकवचन

(ब)

2

(i) व्यायामाभिरतस्य मांसं स्थिरीभवति।
(ii) 'विचित्रः साक्षी' पाठानुसारेण न्यायाधीशस्य नाम बंकिमचन्द्रम् ।

खण्ड-ब

उत्तर ⇒ 4

2

(i) मनः + हरः ⇒ मनोहरः (उत्व - विसर्ग संधि)
(ii) वाक् + ईशः ⇒ वागीशः (जश्त्व - हल् संधि)

उत्तर ⇒ 5

2

(i) नमः + ते ⇒ नमस्ते (सत्व - विसर्ग संधि)
(ii) हरिम् + वन्दे ⇒ हरिं वन्दे (मोऽनुस्वार - हल् संधि)

उत्तर ⇒ 6

2

(i) दिनं दिनं - अव्ययीभाव समास
(ii) दश: आननानि यस्य सः - रावण - बहुव्रीहि समास

उत्तर ⇒ 7

2

(i) महानपुरुष महापुरुषः - कर्मधारय समास
(ii) पितरौ - द्वन्द्व समास

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर ⇒ 8

उपसर्ग	शब्द
(i) निर्बलः ⇒ निर्	+ बलः
(ii) आगमनम् ⇒ आ	+ गमनम्

उत्तर ⇒ 9

(i) अहम् ~~ग्रामं~~ अपि ग्रामं गच्छामि।
(ii) सः गायकः उच्चैः गीतं गायति।

उत्तर ⇒ 10

(i) 150 ⇒ पञ्चशतमधिकशतम्
(ii) 1025 ⇒ पञ्चविंशत्याधिक सहस्रम्

उत्तर ⇒ 11

(i) केन समः बन्धुः नास्ति?
(ii) समीपे का वहति?

उत्तर ⇒ 12

अन्वयः
फलच्छायासमन्वितः महावृक्षः सेवितव्यो, दैवात् यदि फलं नास्ति छाया केन निवार्यते।

उत्तर ⇒ 13

(i) सः नेत्रेण काणः अस्ति।
(ii) राजा भिक्षुकाय वस्त्राणि यच्छति।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर=14

(i) सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता।
उदये सविता रक्तो रक्तश्चास्तमये तथा ॥1॥

(ii) श्रमक्लमपिपासोष्ण-शीतादीनां सहिष्णुता।
आरोग्यं चापि परमं व्यायामदुपजायते ॥2॥

उत्तर=15 'बुद्धिर्बलवती सदा'

देउल नामक गाँव था। उसमें राजसिंह नामक राजपूत निवास करता था। एक दिन किसी आवश्यक कार्य से उसकी पत्नी बुद्धिमति अपने दोनों पुत्रों को लेकर अपने पिता के घर (मायके) जाती है। रास्ते में जंगल के मार्ग में उसे एक व्याघ्र दिखाई दिया। व्याघ्र को आता देखकर उसने अपने पुत्रों के जोर से थप्पड़ मारा और एक व्याघ्र को खाने के लिए कहा। वह व्याघ्र उसे व्याघ्र को मारने वाली समझकर वहाँ से भाग गया। परन्तु एक धूर्त शृगाल के कहने पर वह वापिस बुद्धिमती के पास गया। गले में बंधे हुए शृगाल वाले व्याघ्र को आता देखकर वह उस शृगाल की तरफ दौड़ी और कहा - "पहले तुमने मुझे तीन व्याघ्र दिये, अब एक ही लेकर आ रहा है।" ऐसा सुनकर व्याघ्र व शृगाल वहाँ से भाग जाते हैं। इस प्रकार बुद्धिमती अपनी बुद्धि से व्याघ्र के भय से मुक्त हो जाती है।

सत्य ही कहा गया है ⇒ "सभी कार्यों में बुद्धि ही बलवान् होती है।"

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर ⇒ 16

भावार्थ ⇒ यः नित्यं व्यायामं कुर्वतो सः विरुद्धमपि च विदग्धम् च अविदग्धम् च भोजनम् पच्यते। अतः वयम् व्यायामः करणीयम्।

2

~~उत्तर⇒~~ खण्ड-स

उत्तर ⇒ 17

सप्रसंग ⇒ प्रस्तुत गद्यांश हमारी संस्कृत पाठ्य पुस्तक 'शेमुषी - द्वितीयो भाग' के 'विचित्रः साक्षी' नामक पाठ से संकलित है। ~~यह पाठ~~ यह कथा श्री ओमप्रकाश ठाकुर द्वारा लिखी गई है।

2

व्याख्या ⇒ जब निर्धन व्यक्ति को अपने पुत्र के रोग के बारे में पता चलता है। तब वह पैदल ही उससे मिलने के लिए चल पड़ता है। पैरों से चलते-चलते जब शाम हो जाती है, और अभी गन्तव्य का स्थान भी दूर था। रात्री के अंधकार में किसी दूसरे प्रदेश मे यात्रा करना उचित नहीं है, ऐसा सोचकर उसने पास ही किसी गाँव में गृहस्थी के घर रुकने का सोचा। दयालु गृहस्थी किसी ने उसे रात रुकने के लिए आश्रय दे दिया।

उत्तर ⇒ 18

3

सप्रसंग ⇒ प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'शेमुषी - द्वितीयो भागं' के 'सुभाषितानी' नामक पाठ से उद्धृत है। यहाँ ~~समान आचरण करने वालों के बारे में बताया है~~।

BSER-108/202

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या ⇒ गुणी ही गुण को जानता है निर्गुणी नहीं, बलवान ही बल को पहचानता है निर्बल नहीं, कोयल ही वसन्त के गुण को जानती है कौआ नहीं उसी प्रकार हाथी ही शेर के बल को पहचानता है चूहा नहीं। अर्थात् जिसके पास जो गुण है वह उसी गुण को दूसरों में पहचानता है। जिसके पास गुण नहीं है, वह दूसरों में भी वह गुण नहीं देखता है।
हिंदी में यह कहावत भी है ⇒
"हीरे की परख जौहरी को होती है।"

उत्तर-19

सप्रसंग ⇒ प्रस्तुत नाटक हमारी पाठ्यपुस्तक 'शेमुषी-द्वितीय भाग' के 'शिशुलालनम्' पाठ से लिया गया है। इसके रचयिता 'दिङ्नाग' है। यह कुन्दमाला से सम्पादित है। यहाँ राम, लव और विदूषक के संवाद को बताया गया है।

3

व्याख्या ⇒

राम ⇒ सौन्दर्य वश ~~है~~ ~~कौतुहल~~ जिज्ञासा के कारण ~~आ~~से ~~पूछता~~ पूछता हूँ — आपके वंश के कर्ता सूर्य है या चन्द्रमा।

लव ⇒ हजारों किरणों वाले भगवान् सूर्यः।

राम ⇒ हम दोनों के कर्ता तो ~~समान~~ क्या समान ही है?

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विदूषक ⇒ क्या आप दोनों (लव एवं और कुश) का उत्तर समान या एक ही है?

लव ⇒ हम दोनों सगे भाई हैं।

उत्तर ⇒ 20

3

(i) एकस्मिन् वने एकः सिंहः वसति स्म।
(ii) एकदा सः जाले बद्धः।
(iii) सः सम्पूर्ण प्रयासम् अकरोत् परं बन्धनात् न मुक्तः।
(iv) तदा तस्य स्वरं श्रुत्वा एकः मूषकः तत्र आगच्छत्।
(v) मूषकः परिश्रमेण जालम् अकृन्तत्।
(vi) सिंहः जालात् मुक्तः भूत्वा मूषकं प्रशंसन् गतवान्।

BSER-166/2021

प्रश्न-21 का उत्तर आगे है।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

उत्तर → 21

ज्वालापुरतः
दिनांक : 24.04.2022

प्रियमित्र देवेन्द्र!

नमस्ते।

अत्र अहं कुशलः, भवतः कुशलतां कामये। अहं मातृपितृभ्यां सह अस्मिन् ग्रीष्मावकाशे समये भ्रमणार्थं हिमाचलप्रदेशं गमिष्यामि। भवान् अपि अस्माभिः सह तत्र चलतु इति मम प्रबलेच्छा अस्ति। वयं सर्वे मिलित्वा आनन्दानुभवं करिष्यामः। मदीयः अयं प्रस्तावः भवेत् रोचते चेत्, ज्ञापयतु।

परिवारे पूज्येभ्यो सर्वेभ्यो जनेभ्यो मम साइरप्रणामः निवेदनीयः। पत्रस्योत्तरं शीघ्रमेव प्रेषणीयम्।

भवतः मित्रम्
योगेन्द्रः

उत्तर → 22

माता - व्योमकेशा! त्वं किं करोषि?

व्योमकेशः - अहं मम विद्यालयस्य गृहकार्यं करोमि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

माता – पुत्र गृहकार्यानन्तरम् आपणं गत्वा ततः दुग्धं शाकफलानि च आनय।

व्योमकेशः – अहम् सायंकाले पुस्तकं क्रेतुम् आपणं गमिष्यामि तदा दुग्धं शाकफलानि च आनेष्यामि।

माता – सायंकाले न त्वं तु पूर्वमेव गत्वा आनय।

व्योमकेशः – शीघ्रं किमर्थम्?

माता – अद्य तव मातुलः आगमिष्यति, अतः भोजनं समयात् पूर्वमेव पक्ष्यामि।

व्योमकेशः – मातुलः आगमिष्यति चेत् अहम् इदानीम् एव गत्वा वस्तूनि क्रीत्वा आगच्छामि।

उत्तर ⇒ 2+3

(4)

(i) बालक वेदमन्त्र पढ़ता है।
⇒ बालकः वेदमन्त्रम् पठति।

(ii) मोहन राम के साथ जाता है।
⇒ मोहनः रामेण सह गच्छति।

(iii) रमेश सिंह से डरता है।
⇒ रमेशः सिंहात् बिभेति।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		(iv) कवियों में कालिदास श्रेष्ठ है।
		⇒ कविषु कालिदासः श्रेष्ठः अस्ति।

कार्य समाप्त

अस्सी

80

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

HSER 16C324

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

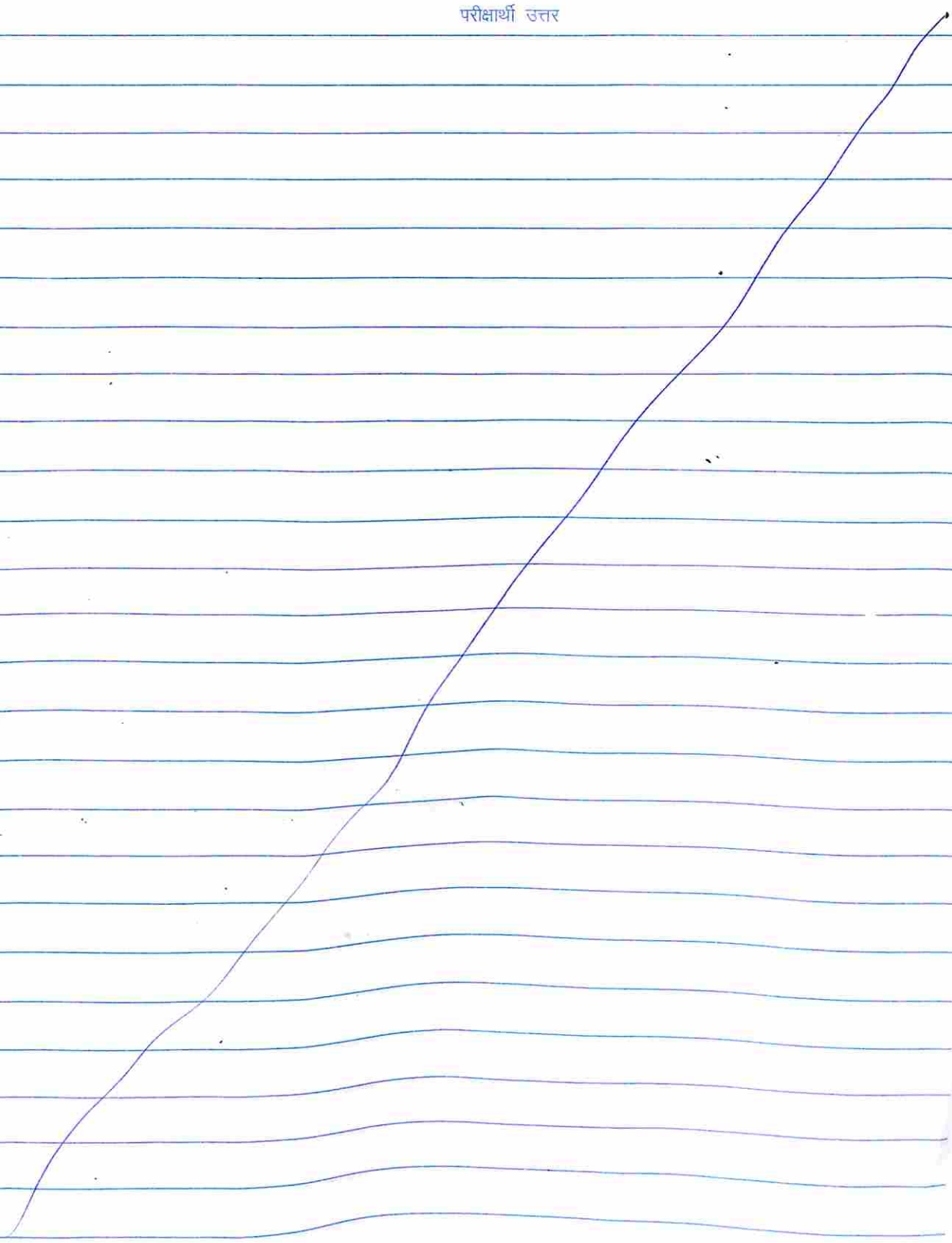

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

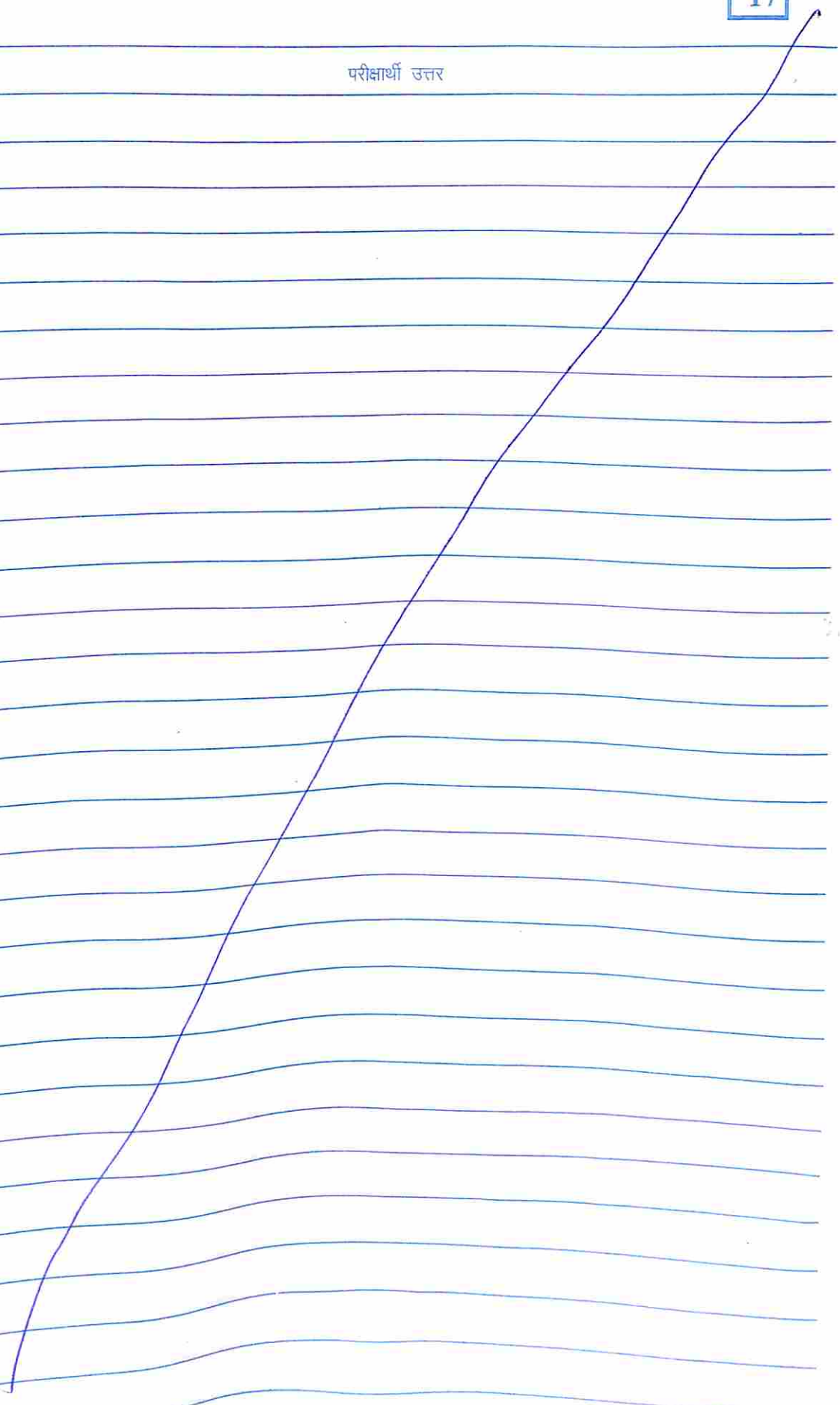

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

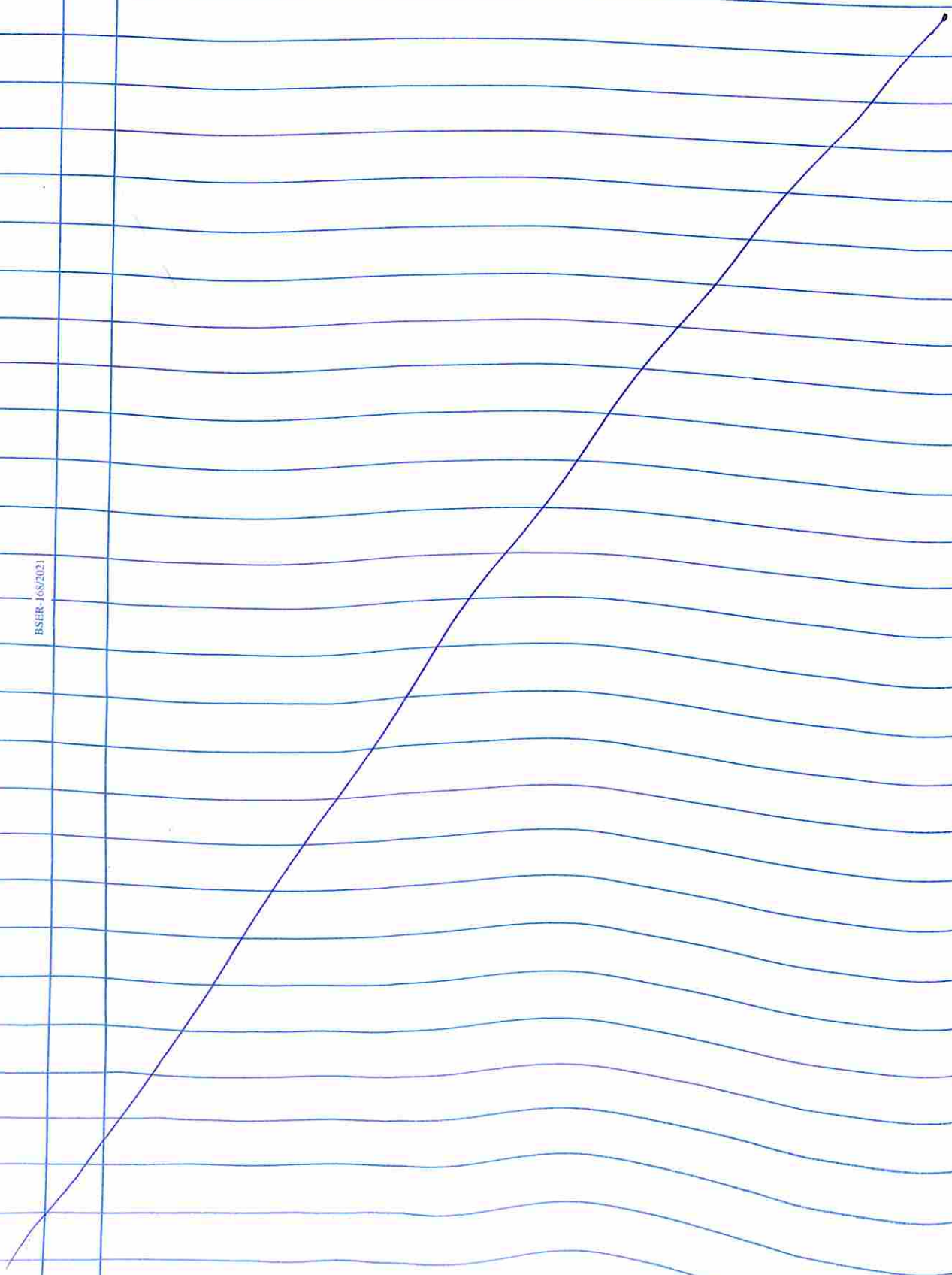

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEK-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर